P-531

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-503

पंचांग एवं मुहूर्त्त-01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. पंचांग के इतिहास का सविस्तार वर्णन कीजिए।

2. पंचांग निर्माण के प्रमुख पक्ष क्या हैं? विस्तृत वर्णन करें।

3. तिथि एवं वारों के संयोग से होने वाले शुभाशुभ योगों का वर्णन कीजिए।

4. पंचांग के दृश्य व अदृश्य पक्षों पर प्रकाश डालिए।

5. वार क्रम के सिद्धांत प्रतिपादित करते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. करणों में विहित कर्म क्या है? लिखिए।

2. भद्रा किसे कहते हैं? इसे स्पष्ट कीजिए।

3. अश्विनी नक्षत्र से लेकर आर्द्रा नक्षत्र तक में उत्पन्न जातक का फल लिखिए।

4. तिर्यक मुख नक्षत्रों का नाम लिखिए।

5. करण कितने प्रकार के होते हैं, नाम लिखिए।

6. तिथियों के स्वामी तथा संज्ञायें लिखिए।

7. काल होरा के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए।

8. योगों के नाम लिखिए।